

सरकार ने बदले ग्रेच्युटी के नियम

25 लाख की सीमा सिर्फ केंद्रीय सिविल सेवकों के लिए लागू

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर. केंद्रीय कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर आई है. केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि 25 लाख तक की अधिकतम ग्रेच्युटी सीमा सिर्फ उन्हीं सिविल सेवकों को मिलेगी जो केंद्रीय सिविल सेवा नियम, 2021 या एनपीएस के अंतर्गत आते हैं. बाकी संस्थानों के कर्मचारियों को इस बढ़ोतरी का लाभ नहीं मिलेगा.



लाख तक की अधिकतम ग्रेच्युटी सीमा केवल केंद्रीय सिविल सेवकों पर लागू होती है. विभाग ने अपने आदेश में कहा कि उसे लगातार कई ऋजु आवेदन और संदर्भ प्राप्त हो रहे थे, जिनमें पूछा जा रहा था कि क्या बड़ी हुई ग्रेच्युटी सीमा बैंकों, पीएचयू, आरबीआई, पोर्ट ट्रस्ट,

विश्वविद्यालयों, स्वायत्त संस्थानों और राज्य सरकारों के कर्मचारियों पर भी लागू होती है. विभाग ने स्पष्ट किया कि यह नियम केवल केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 2021 या केंद्रीय सिविल सेवा 2021 के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों पर ही लागू होंगे.

केंद्र सरकार ने मई 2024 में अधिसूचना जारी कर ग्रेच्युटी सीमा 20 लाख से बढ़ाकर 25 लाख कर दी थी. यह संशोधन 1 जनवरी 2024 से प्रभावी किया गया. यह निर्णय उस समय लिया गया जब महंगाई भत्ता केंद्रीय कर्मचारियों के मूल वेतन का 50 प्रतिशत पहुंच गया था. सरकारी नियमों के अनुसार, जैसे ही डीए 50 प्रतिशत होता है, भत्ता और सीमाओं में 25 प्रतिशत की वृद्धि स्वाभाविक रूप से लागू होती है. यह कदम 8वें वेतन आयोग की तैयारियों के बीच आया है, जिससे केंद्रीय कर्मचारियों को आने वाले समय में और भी राहत मिल सकती है. हालांकि, फिलहाल यह राहत सीमित दायरे में रहेगी.

सोना-चांदी में गिरावट जारी

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर. पिछले कुछ दिनों की हल्की बढ़त के बाद सोने-चांदी के भाव में गिरावट का दौर शुरू हो गया है. आज 24 कैरेट सोने का भाव 1,23,560 प्रति 10 ग्राम और सिल्वर का 1,47,510 प्रति किलो दर्ज किया गया.



निवेशक और खरीदार इसे लेकर सतर्क नजर आए. नई दिल्ली सहित पूरे भारत में 26 अक्टूबर 2025 को सोना-चांदी के बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा. इंडियन बुलियन एसोसिएशन के अनुसार सुबह 9.32 बजे 24 कैरेट गोल्ड की कीमत 1,23,560 प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने का भाव 71,13,263 प्रति 10 ग्राम था. चांदी (999 फाइन) का भाव 1,47,510 प्रति किलो दर्ज किया गया. दिसंबर वायदा शुक्रवार को सोने में 0.16 प्रतिशत और चांदी

प्लाइट में कॉकरोच को मिली 'फांसी', लॉगबुक एंटी वायरल

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर. एयर इंडिया एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा में है — इस बार किसी प्लाइट डिले या टेक्निकल खराबी के लिए नहीं, बल्कि कॉकरोच की फांसी के लिए. दरअसल, दिल्ली से दुबई जा रही एक प्लाइट की कैबिन डिफेक्ट लॉगबुक की एक एंटी वायरल हो गई है, जिसमें लिखा गया है — एक जिंदा कॉकरोच मिला, जिसे फांसी दी गई जब तक उसकी मौत नहीं हुई. एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह एंटी एयर इंडिया की रूटीन मटेनेंस लॉगबुक में दर्ज की गई थी, जिसमें आम शिकायतें जैसे वाइब्रेशन जाम या एंटरटेनमेंट सिस्टम खराब भी शामिल थीं. लेकिन कॉकरोच को फांसी वाली लाइन ने सबका ध्यान खींच लिया.

पीयूष गोयल ब्रूसेल्स में करेंगे वार्ता

भारत और यूरोपीय संघ के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट वार्ता निर्णायक मोड़ पर

दिसंबर तक समझौते को अंतिम रूप देने पर हमी रणनीतिक चर्चा



यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जो भारत के कुल निर्यात का 17 प्रतिशत और अपने कुल निर्यात का नौ प्रतिशत भारत को भेजता है. समझौते की वार्ता 23 नीति-क्षेत्रों पर केंद्रित है, जिनमें माल और सेवाओं का व्यापार, निवेश, विवाद समाधान, भौगोलिक संकेतक, बौद्धिक संपदा अधिकार और सतत विकास शामिल हैं. ईयू की ओर से वाहनों और चिकित्सा उपकरणों पर शुल्क में कमी, वाइन, लिपिस्ट और मांस-पोल्टी पर कर में कटौती और मजबूत आईपीआर ढांचे की मांग है.

एथेन इंश्योरेंस का 6,650 करोड़ निवेश

अडानी ग्रीन ने भी जुटाए 25 करोड़ डॉलर



नई दिल्ली, 26 अक्टूबर. भारतीय जीवन बीमा निगम का निवेश भले ही अक्सर अडानी समूह के साथ सुविधियों में रहता हो, लेकिन ताजा आंकड़े बताते हैं कि अरबपति गौतम अडानी की कंपनियों में सबसे बड़ा भरोसा विदेशी बीमा दिग्गजों ने दिखाया है. अमेरिका की शीप बीमा कंपनियों और ग्लोबल फंड्स ने अडानी समूह को कई इकाइयों में अर्बों डॉलर का निवेश किया है. जून 2025 में अडानी पोर्ट्स एंड एसइजेड में एलआईसी द्वारा लगभग 5,000 करोड़ के निवेश के बाद, अमेरिकी इंश्योरेंस कंपनी एथेन इंश्योरेंस ने अडानी के मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड में 6,650 करोड़ के लोन निवेश का नेतृत्व किया. इस फंडिंग राउंड में कई अन्य वैश्विक बीमा कंपनियां भी शामिल थीं. एथेन की मूल कंपनी अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट ने 23 जून को जारी बयान में कहा कि

उसके प्रबंधित फंड्स, सहयोगियों और दीर्घकालिक निवेशकों ने रुके हुए इन्वेस्टमेंट ग्रेड रेटेड फाइनेंसिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली है. यह अपोलो की ओर से अडानी एयरपोर्ट प्रोजेक्ट में दूसरी बड़ी फंडिंग थी. इसके अलावा, अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने भी डीबीएस बैंक, डीजेड बैंक, राबोबैंक और बैंक सिनोपैक कंपनी लिमिटेड सहित कई वैश्विक बैंकों से

एफपीआई का पूंजी बाजार में करोड़ों का निवेश

हाइब्रिड इनस्ट्रुमेंट में भी उनका निवेश 2,730 करोड़ रुपये बढ़ा

मुंबई, 26 अक्टूबर. विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) ने अक्टूबर में अब तक भारतीय पूंजी बाजार में 24,171 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है. इसका अर्थ यह हुआ कि उन्होंने बाजार से जितनी राशि निकाली है उससे 24,171 करोड़ रुपये ज्यादा लगाये हैं.



सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने अक्टूबर में डेट में 14,533.72 करोड़ रुपये और इक्विटी में 7,329 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है. हाइब्रिड इनस्ट्रुमेंट में भी उनका निवेश 2,730 करोड़ रुपये बढ़ा है. हालांकि म्यूचुअल फंड से उन्होंने

शुद्ध रूप से 536 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है. मई के बाद पहली बार एफपीआई भारतीय पूंजी बाजार में लिवाल बने हुए हैं. इससे पहले, सितंबर में उन्होंने 12,571 करोड़ रुपये, अगस्त में 20,635 करोड़ रुपये, जुलाई में 5,261 करोड़ रुपये और जून में 7,769 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी. इस साल अबतक एफपीआई ने बाजार से कुल मिलाकर 60,439 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है.

लेंसकार्ट का ग्रैंड मार्केट डेब्यू-4 नवंबर तक निवेश का मौका

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर. ईवियर दिग्गज लेंसकार्ट ने अपने बहुप्रतीक्षित की तारीखों की घोषणा कर दी है. कंपनी का 7,278 करोड़ का 31 अक्टूबर से खुलकर 4 नवंबर 2025 तक निवेशकों के लिए उपलब्ध रहेगा. यह इस साल का तीसरा सबसे बड़ा पब्लिक ऑफर होगा. इस इश्यू में 2,150 करोड़ का फ्रेश इश्यू और बाकी हिस्सा ऑफर फॉर सेल के रूप में होगा. लेंसकार्ट जुटाए गए फंड का इस्तेमाल नए स्टोर्स खोलने, मौजूदा आउटलेट्स के लीज खर्च में करेगी.

चावल, दाल में साप्ताहिक तेजी

गेहूं 2,859.70 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर

नयी दिल्ली, 26 अक्टूबर. घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव बढ़ गये. दालों और खाद्य तेलों की कीमतों में भी तेजी रही जबकि गेहूं और चीन के दाम कमोबेश स्थिर रहे. घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 30 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,863.88 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी. गेहूं 2,859.70 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा. आटे की कीमत 11 रुपये बढ़कर 3,324.16 रुपये प्रति



चार नए एयरपोर्ट से शुरू होंगी नई सेवाएं

गर्मियों की तुलना में अपनी उड़ानों में 26.45 प्रतिशत वृद्धि की है

सर्दियों में उड़ानें नहीं रुकेगी, फ्लाइटों में 5.95 प्रतिशत वृद्धि

2025 से 28 मार्च 2026 तक लागू रहेगा. इसके तहत प्रति सप्ताह 26,495 उड़ानें संचालित होंगी, जबकि पिछले साल यह संख्या 25,007 थी. इससे यात्रियों को अधिक विकल्प, बेहतर रूट कनेक्टिविटी और तेज हवाई सेवाओं का अनुभव मिलेगा.

इस शेड्यूल में चार नए एयरपोर्ट जोड़े गए हैं. अमरावती (महाराष्ट्र), हिस्सार (हरियाणा), पूर्णिया (बिहार) और रूपसी (असम). इन एयरपोर्ट्स से अब नियमित उड़ान सेवाएं शुरू होंगी, जिससे छोटे और मध्यम शहरों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी. वहीं, अलीगढ़, मुरादाबाद, चित्रकूट, भावनगर, लुधियाना, पाकयोंग और श्रावस्ती जैसे एयरपोर्ट्स से अस्थायी रूप से उड़ानें निलंबित कर

इंडियो ने शीतकालीन शेड्यूल में अपनी वादाशाहत बनाए रखी है

डीजीसीए ने कहा है कि उड़ानों की बढ़ोतरी से हवाई टिकटों की कीमतों में नियंत्रण रहेगा और यात्रियों को अधिक सुविधा मिलेगी. त्योहारों और छुट्टियों के मौसम में एयर ट्रैफिक बढ़ने की संभावना को देखते हुए एयरलाइंस ने अपनी उड़ानों का विस्तार किया है. इंडियो ने शीतकालीन शेड्यूल में अपनी वादाशाहत बनाए रखी है. उसे 15,014 साप्ताहिक उड़ानों की मंजूरी मिली है. एयर इंडिया को 4,277, एआईएक्सप्रेस को 3,171, स्पाइसजेट को 1,568, अकासा एयर को 1,027 उड़ानें मिली हैं.

समाचार विशेष

मगध की 26 सीटों पर एनडीए की असली परीक्षा



इस बार यह सीट लोजपा (रा) को गयी है. उसने विमल चंद्रवंशी को यहां से टिकट दिया है. नवादा सीट की राजद विधायक विभा देवी इस बार जदयू की टिकट पर मैदान में हैं. हिंसुआ में इस बार भी भाजपा की टिकट पर अनिल सिंह हैं. वह पिछली बार दूसरे नंबर पर थे. मो. कामरान नवादा के गोविंदपुर से राजद के विधायक हैं. इस बार वह निर्दलीय लड़ रहे. पिछली बार जदयू की टिकट पर लड़ें पूर्णिमा यादव इस बार राजद उम्मीदवार हैं. लोजपा को यह सीट एनडीए में गयी है. यहां से विनीता मेहता को उसने टिकट दिया है. वारसलिंगज से पूर्व की तरह एनडीए की प्रत्याशी अरुणा देवी हैं. गया जिले की दस सीटों का जिम्मा एनडीए में भाजपा और हम को- गया जिले की दस विधानसभा क्षेत्रों में इस बार भी एनडीए में भाजपा और हम को ही जिम्मा है. वर्ष 2020 के चुनाव में नवादा जिले के पांच विधानसभा क्षेत्रों का हाल-नवादा जिले के रजौली विधानसभा क्षेत्र से 2020 के चुनाव में राजद के प्रकाश वीर को जीत मिली थी. इस बार राजद ने उन्हें टिकट नहीं दिया है. वहीं एनडीए में सीट शेरारंग के तहत

महागठबंधन की सीट पर अंतिम क्षण उलटफेर

मां को मिला सिंबल और नामांकन में उतरी बेटी



बाराचट्टी (गया). गया जिला के बाराचट्टी आरक्षित विधानसभा क्षेत्र एक बार फिर विरासत की सियासत का केंद्र बन गया है. महागठबंधन ने पूर्व सांसद एवं पूर्व विधायक दिवंगत भगवती देवी की पुत्री समता देवी को प्रत्याशी घोषित कर क्षेत्र में उत्साह भर दिया था, लेकिन सोमवार को अंतिम क्षण में पार्टी ने टिकट

बदल दिया. नामांकन का समय आते-आते समता देवी की जगह उनकी बेटी तन्वुश्री कुमारी को राजद का सिंबल जारी कर दिया गया. रविवार को दिनभर क्षेत्र में यह संदेश फैल गया था कि समता देवी को टिकट मिला है. पार्टी कार्यकर्ताओं ने बधाई दी, पोस्टर और बैनर तैयार होने लगे. लेकिन सोमवार दोपहर को राजद मुख्यालय से नया सिंबल पत्र जारी हुआ, जिस पर प्रत्याशी के रूप में तन्वुश्री कुमारी का नाम था. सिंबल सोमवार को आने के बाद ही मयके बाराचट्टी से तन्वुश्री कुमारी ने कार्यकर्ताओं के साथ शेरघाटी अनुमंडल कार्यालय जाकर नामांकन किया, जबकि समता देवी को दिया गया सिंबल यू ही उनके पास रह गया.

हम का फिर ज्योति देवी पर भरोसा

उधर, एनडीए की ओर से हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेवयुलर ने एक बार फिर ज्योति देवी पर भरोसा जताया है. ज्योति देवी, हम पार्टी के संरक्षक एवं केंद्रीय मंत्री जीवन राम मांझी की समधन और बिहार सरकार के मंत्री संतोष सुमन की सास हैं. वे इस सीट से तीसरी बार मैदान में हैं और पिछली दोनों बार जीत दर्ज कर चुकी हैं. एनडीए खेमे में उनकी राजनीतिक पकड़ और जनसंपर्क को सबसे बड़ी ताकत माना जा रहा है. अब मुकाबला दो राजनीतिक विरासतों के बीच दिलचस्प बन गया है एक ओर भगवती देवी की नातिन तन्वुश्री कुमारी, तो दूसरी ओर मांझी परिवार की सियासत को आगे बढ़ाती ज्योति देवी.

डिजिटल रणभूमि में उतरे नेता

विलक पर चल रही है राजनीति

केवटी (दरभंगा). बिहार विधानसभा करीब आते ही नेता अब जनसभाओं और पोस्टरों तक सीमित नहीं हैं, अब फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर की डिजिटल रणभूमि पर भी मोर्चा संचालित चुके हैं.



लाइक, शेयर और कमेंट की राजनीति ने रैली की जगह रील ले ली है. अब भाषणों से ज्यादा असर डाल रही हैं वायरल क्लिप्स और ट्रेंडिंग हैशटैग क्योंकि इस चुनाव में जनता की नब्ब क्लिक पर चल रही है.

चुनावी रंग में रंग चुके हैं. लेकिन, इस बार का चुनाव पहले से काफी अलग है. आजादी के बाद से लेकर अब तक चुनाव प्रचार के तौर-तरीके, मतदाताओं की भूमिका और कार्यकर्ताओं की भागीदारी में बड़ा बदलाव आया है. परंपरागत तरीकों से हटकर अब प्रचार पूरी तरह तकनीकी और डिजिटल होता जा रहा है.

औरंगाबाद में तो एक भी सीट अभी एनडीए के पास नहीं

औरंगाबाद जिले में गोहा, ओबरा, नवीनगर, कुटुबा, औरंगाबाद व रफीगंज सीटें हैं. यहां की सभी सीटों पर महागठबंधन का कब्जा है. इस बार जदयू ने नवीनगर से अपना प्रत्याशी बदला है. भाजपा ने गोहा से प्रत्याशी बदला. कांग्रेस और राजद के प्रत्याशी से इनका मुकाबला होना है.

राजनीतिक दलों व शिक्षक संगठनों में मुकाबला

मेरठ. प्रदेश में शिक्षक व स्नातक एमएलसी चुनाव प्रचार धीरे-धीरे जोर पकड़ने लगा है. इस चुनाव में राजनीतिक दलों और शिक्षक संगठनों में कड़ा मुकाबला होगा. शिक्षक संगठनों और राजनीतिक दलों ने अपने उम्मीदवार घोषित करने शुरू कर दिए हैं.

एमएलसी चुनाव

लंबे समय तक प्रदेश को शिक्षक व स्नातक एमएलसी सीटों पर शिक्षक संगठनों का दबदबा था. एमएलसी सीट का कार्यकाल छह वर्ष का होता है. मेरठ.सहारनपुर शिक्षक सीट पर माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष रहे स्वर्गीय ओमप्रकाश शर्मा लगातार आठ बार ;48 वर्ष.द्व. चुनाव जीतते रहे. स्नातक सीट पर हेम सिंघे पुंडीर चार बार

एमएलसी बने. ठकुराई गुट के प्रदेश अध्यक्ष डॉण उमेश त्यागी भी लगातार चार बार चुनाव लड़ चुके हैं. शिक्षक संगठनों का यह वर्चस्व वर्ष 2020 में हुए चुनाव में भाजपा ने तोड़ दिया और अचिकांश सीटों पर एकतरफा जीत हासिल की. मेरठ.सहारनपुर खंड शिक्षक सीट पर भाजपा के श्रीचंद शर्मा व स्नातक सीट पर दिनेश गोयल ने बड़े अंतर से चुनाव जीता.

शर्मा गुट की मेरठ मंडल की बैठक में मेरठ जिलाध्यक्ष गजेंद्र शर्मा को शिक्षक सीट पर प्रत्याशी घोषित किया जा चुका है. जबकि शर्मा गुट के ही पूर्व एमएलसी हेम सिंघे पुंडीर के पुत्र सुशील पुंडीर भी खुद को प्रत्याशी मानकर शिक्षक सीट पर चुनाव प्रचार में जुटे हैं. इस बग़ावत से शर्मा गुट के कई सदस्य असमंजस में हैं. ठकुराई गुट भी अपने उम्मीदवारों को लेकर मंथन कर रहा है.

सपा ने गुर्जर प्रत्याशी उतार कर मचाई हलचल — सम्राट मिहिरभोज को लेकर वेपट चुपे में इस समय गुर्जर राजनीति गर्माई हुई है. मौके का फायदा उठाते हुए सपा ने स्नातक सीट से गुर्जर

भाजपा की हर रोज चल रही बैठकें

भाजपा ने शिक्षक व स्नातक सीटों को जीतने के लिए बड़ी व्यूह रचना की है. महानगर व जिलों में संयोजक व सह संयोजक बनाने के साथ ही विधानसभा स्तर पर संयोजक तय कर दिए हैं. ये संयोजक प्रतिदिन बैठकें करके कार्यकर्ताओं से प्रगति रिपोर्ट ले रहे हैं. कांग्रेस भी इसी तर्ज पर अपने संघटन को तैयार करने में लगी है. सपा के उम्मीदवार भी वोट बनवाने में जुटे हैं. बसपा ने एमएलसी चुनाव लड़ने पर अपने पते अभी नहीं खोले हैं.

समाज से गौतमबुद्ध नगर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमोद भाटी को प्रत्याशी घोषित किया है.